

Baba's Praise

13/5/2015

- हमारा बाप इस ड्रामा में मुख्य एक्टर है। ऊंच ते ऊंच एक्टर बाप है, फिर फलाने-फलाने आते हैं।
- राजयोग बाप ही सिखलाते हैं। ज्ञान भी बाप ही देते हैं।
- तुम जानते हो बाप ज्ञान का सागर है परन्तु शरीर बिगर तो ज्ञान सुना न सके। शरीर द्वारा ही बोल सकते हैं।
- बाप ही पिछाड़ी में आकर सबको पवित्र बनाए वापिस ले जाते हैं, इसलिए उस एक के सिवाए और कोई की महिमा है नहीं।
- अब बाप तुमको चढ़ती कला में ले जाते हैं। गाते भी हैं तेरे भाने सर्व का भला।

- बाप सच्चा तो सच्ची रचना रचते हैं। सच बताते हैं। सच से जीत, झूठ से हार। सच्चा बाप सचखण्ड की स्थापना करते हैं।
- यह तो सत बाप है, सत टीचर है। आत्मा को अब स्मृति रहती है। बाबा ज्ञान का सागर, सुख का सागर है। जरूर ज्ञान देकर गया हूँ तब तो गायन होता है।
- बाप ने आकर त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी बनाया है। अब तुमको तीनों कालों, तीनों लोकों का ज्ञान है।
- बाबा आप कितने मोस्ट बिलवेड हो।
- बाबा सब रिलीजन की बात समझाते हैं। दूसरा कोई समझा न सके। बाकी वह धर्म स्थापन करने वाले क्या करते हैं, उनके पिछाड़ी तो औरों को भी नीचे आना पड़ता है।